CHOITHRAM SCHOOL, MANIK BAGH, INDORE

ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2017 – 2018

CLASS: XI

SUBJECT: हिन्दी

Month & Working Days	Theme/ Sub-theme	Learning Objectives		Activities &Resources	Expected Learning Outcomes	Assessment
		Subject Specific (Content Based)	**Behavioural (Application based)**			
जून 15	1. नमक का दरोगा	**विशिष्ट उद्देश्य –** 1.कहानी विधा में बच्चों की रुचि बढ़ाना। 2.कल्पनाशीलता का विकास करना। 3.कहानी में आए कठिन व सांकेतिक शब्दों के अर्थ से बच्चों को परिचित कराना। 4.ध्यानपूर्वक सुनने की कला को विकसित करना। 5.ग्राह्य क्षमता का विकास करना। 6.प्रभावी संप्रेषण। 7.आवाज के उतार–चढ़ाव एवं हाव–भाव के साथ प्रभावपूर्ण संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। 8.लेखन–पठन में विराम–चिह्नों का अभ्यास कराना। 9.मुहावरों का अभ्यास कराना।	**व्यावहारिक उद्देश्य–** स्वजागरुकता बढ़ाना। निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना। चिंतन कौशल का विकास करना। संवेदनशीलता को बढ़ाना। विभिन्न पात्रों का चरित्र–चित्रण करना सिखाना। विपरीत परिस्थितियों में भी ईमानदारी व निष्ठा से काम लेना सिखाना। सहनशीलता , सत्य बोलना जैसे गुणों का विकास करना।	***गतिविधि (1)*** **कक्षा में कहानी की लघु घटनाएँ सुनाकर उनके मुख्य बिंदुओं की टिप्पणियाँ (notes) लिखने हेतु देना।** ***गतिविधि (2)*** **आपसी प्रश्नोत्तर गतिविधि (** पाठ के आदर्श वाचन के समय बीच–बीच में पूछे जाने वाले प्रश्नोत्तर **)** **(आदर्श प्रश्न –bloom's taxonomy based)** **प्रश्नोत्तर**– 1. वृद्ध मुंशीजी ने अपने पुत्र को क्या सलाह दी और क्यों ? (अवबोध) 2. आपके अनुसार नदी किनारे वंशीधर का रवैया कैसा था व क्यों ? (विश्लेषण) 3. पं आलोपीदीन की किन विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया ? (मूल्यांकन)	**अधिगम उपलब्धि –** कहानी–किस्से विधा में बच्चों की रुचि बढ़ी। कल्पनाशीलता का विकास हुआ। कहानी में आए कठिन व सांकेतिक शब्दों के अर्थ से बच्चे परिचित हुए। ध्यानपूर्वक सुनने की कला विकसित हुई। ग्राह्य क्षमता का विकास हुआ। आवाज के उतार–चढ़ाव एवं हाव–भाव के साथ प्रभावपूर्ण संवाद अदायगी का अच्छा अभ्यास हुआ। लेखन–पठन में विराम–चिह्नों का अभ्यास हुआ। मुहावरों का अभ्यास हुआ। स्वजागरुकता बढ़ी। निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ। चिंतन कौशल का विकास हुआ। संवेदनशीलता बढ़ी। विभिन्न पात्रों का चरित्र–चित्रण	**रचनात्मक लेखन /** **समूह चर्चा /** **अनुच्छेद लेखन किसी एक के आधार पर**

				गतिविधि (3) **समभाव वाली कहानी सुनाकर समीक्षा करना** ***गतिविधि (4)*** **रचनात्मक लेखन (आप कहानी के किस पात्र की तरह बनना चाहेंगे व क्यों ? तर्कसम्मत उत्तर लिखिए)** ***गतिविधि (5)*** **समूह चर्चा**– सरकारी अफसर यदि मुंशी वंशीधर जैसे हो जाएंगे तो समाज का स्वरूप कैसा होगा ? ***गतिविधि (6)*** **अनुच्छेद लेखन– '' बाधाओं के तूफान साहस के दीपक को नहीं बुझा सकते ''**	करना सीखे। विपरीत परिस्थितियों में भी ईमानदारी व निष्ठा से काम लेने की प्रेरणा हासिल की। जीवन में सहनशीलता , सत्य बोलना जैसे गुणों का महत्त्व समझा।	
	2. कबीर के पद	**पद की भाषा की विशेषताओं का परिचय** **दोहों का संकलन** **छंदों में अपनी बात कहना।** **कविता, संवाद एवं अनुच्छेद लेखन का अभ्यास करवाना।**	**रसानुभूति/आनंदानुभूति** **स्वजागरुकता एवं सकारात्मक चिंतन का विकास करना।** **चिंतन कौशल विकसित करना।** **तार्किकता,विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करना।** **धर्म के सच्चे स्वरूप को समझना** **अंधविश्वासों पर भरोसा न करना** **ईश्वर सर्वव्याप्त है अर्थात्**	**गतिविधि–(1)** कबीर के पदों का सस्वर समूह गायन **गतिविधि–(2)** कबीर/अन्य कवियों के दोहे पढ़ना एवं सुनना। https://www.youtube.com/watch?v=V-oTefRNHKQ **गतिविधि–(3) क**क्षा में पदों की भाषा की विशेषताओं पर चर्चा एवं सरल अर्थ हेतु बच्चों द्वारा समूह में प्रयास। पदों के शब्दार्थ, व्याख्या, दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरण, संवाद व चर्चा। **गतिविधि–(4) परिचर्चा–'' कबीर मात्र व्यक्ति नहीं विचार है, जो हर काल में प्रासंगिक हैं। ''**	**पद की भाषा की विशेषताओं का परिचय हुआ।** **दोहों का संकलन किया।** **छंदों में अपनी बात कहना सीखा।** **कविता, संवाद एवं अनुच्छेद लेखन का अभ्यास किया।** **स्वजागरुकता एवं सकारात्मक चिंतन का विकास हुआ।** **चिंतन कौशल विकसित हुआ।** **तार्किकता,विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित हुई।** **धर्म के सच्चे स्वरूप को समझने**	**परिचर्चा** **रचनात्मक लेखन** **किसी एक के आधार पर**

			हमारे सच्चे मन, वचन कर्म में हैं–यह समझाना **बाहरी ढोंग दिखावे से ईश्वर प्रसन्न नहीं होते–यह बताना।**	**गतिविधि–(5) रचनात्मक लेखन–आपकी दृष्टि में सच्चा धार्मिक कौन है–उचित तर्क देकर सुनाइए।**	**का प्रयास किया।** **ईश्वर सर्वव्याप्त है अर्थात् हमारे सच्चे मन, वचन कर्म में हैं–यह समझा** **बाहरी ढोंग दिखावे से ईश्वर प्रसन्न नहीं होते –यह समझा**	
जुलाई 24	**3.मियाँ नसीरुद्दीन**	प्रश्न कौशल का विकास करना साक्षात्कार कला का विकास करना एवं उसमें रुचि जगाना। सटीक संवाद कला का विकास करना पाठ में आई उर्दू ' शब्दावली के अर्थ से परिचित कराना	जीवन में अपने पुरखों का खूब मान–सम्मान करना। उनके पीढ़ीगत व्यवसाय को अपनाने/न अपनाने के बारे में सोचना। लक्ष्य निर्धारण के समय उसके आाधारभूत चरणों के बारे में अच्छी तरह विचार करना। मियाँ के जीवन से मुख्य शिक्षा लेना।	**गतिविधि–(1) पाठ में नानबाई का** साक्षात्कार दिया गया है, आप भी किसी प्रसिद्ध/सफल व्यक्ति का साक्षात्कार लीजिए एवं कक्षा में उचित आरोह–अवरोह के साथ पढ़िए। **गतिविधि–(2) कोई भी व्यक्ति अचानक सफलता के शिखर को नहीं छूता, उसे सफलता– असफलता की छोटी–बड़ी हर सीढ़ी चढनी पड़ती है–इस बात को आप किस उदाहरण से सिद्ध करेंगे ? पढ़कर सुनाइए।** **गतिविधि–(3) पाककला से जुड़े व्यक्ति का साक्षात्कार सुनाना।**	प्रश्न कौशल का विकास हुआ। साक्षात्कार कला का विकास हुआ एवं उसमें रुचि जागी। सटीक संवाद कला का विकास हुआ। पाठ में आई उर्दू ' शब्दावली के अर्थ से परिचित हुए। जीवन में अपने पुरखों का मान–सम्मान बढ़ा। उनके पीढ़ीगत व्यवसाय को अपनाने /न अपनाने के बारे में सोचा। लक्ष्य निर्धारण के समय उसके आाधारभूत चरणों के बारे में अच्छी तरह विचार किया। मियाँ के जीवन से बहुत सी मुख्य शिक्षा ग्रहण की।	साक्षात्कार लेना व वाचन के माध्यम से
	4. मीरा के पद	ताल–लय में निबद्ध रचना को उसी प्रकार बोलकर दोहराना। कल्पनाशीलता का भाव जागृत करना। आवाज के उतार–चढ़ाव एवं भावाभिव्यक्ति के साथ पद (कविता) गायन का अभ्यास कराना। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना। पाठ में आए शब्दों के प्रचलित रूपों से परिचित कराना। मीरा के पदों की मिश्रित भाषा से परिचित कराना। अंतिम मिलते–जुलते शब्दों की तुकबंदी को उतार–चढ़ाव के साथ बोलना।	मीरा के सर्वस्व समर्पण व एकाग्रता के भाव को समझाना। मीरा की सगुण साकार भक्ति का परिचय देना। '' एकै साधे सब सधे '' की धारणा को जीवन में लागू करने से होनेवाले लाभों के बारे में छात्रों से विस्तार चर्चा करना।	**पाठ पढ़ाने से पूर्व की गतिविधि– (1)** मीराबाई के भजनों / पदों की सी डी सुनाकर तदनुसार समूह गान कराना। **कविता का भावार्थ समझाना** **पाठ समझाना एवं आपसी चर्चा एवं दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरण गतिविधि (2)** **समूह चर्चा–** '' एकै साधे सब सधे ''	ताल–लय में निबद्ध रचना को उसी प्रकार बोलकर दोहराया। कल्पनाशीलता का भाव जागृत हुआ। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सोखा। पाठ में आए शब्दों के प्रचलित रूपों से परिचित हुए। मीरा के पदों की मिश्रित भाषा से परिचित हुए। अंतिम मिलते–जुलते शब्दों की तुकबदी को उतार–चढ़ाव के साथ बोला। पद के भाव सौंदर्य के साथ–साथ उसका काव्य सौंदर्य भी सीख रहे हैं।	

		पद के भाव सौंदर्य के साथ–साथ उसका काव्य सौंदर्य भी बताना।		कथन को स्पष्ट करते हुए उससे संबंधित आदर्श उदाहरणों की विस्तार से चर्चा कीजिए ।	मीरा के सर्वस्व समपण व एकाग्रता के भाव को समझा। मीरा की सगुण साकार भक्ति से परिचित हुए। '' एकै साधे सब सधे '' की धारणा को जीवन में लागू करने से होनेवाले लाभों के बारे में छात्रों से विस्तार चर्चा की।	
	. अपू के साथ ढाई साल	फिल्म के तकनीकी पक्ष पर खुलकर बात करना। गद्य की संस्मरण विधा में रुचि उत्पन्न कराना। अपने अनुभवों को रुचिपूर्ण तरीके से सुनाना। फिल्म की कुछ तकनीकी ' शब्दावली से बच्चों को परिचित कराना।	फ़िल्मकार सत्यजीत राय की महती प्रतिभा के बारे में बताना सफलता के लिए संघर्ष अत्यंत आवश्यक है–यह बताना। हर बड़े स्वप्न के पीछे सूक्ष्म बिंदुओं का हाथ है–यह सिद्ध करना। अच्छी फिल्म के पीछे छिपे अथक प्रयासों एवं कठिनाइयों से अवगत कराना। कलाकार के कर्तव्यों से परिचित कराना। रुचियों का परिष्कार करना। स्वजागरुकता। कलाकार के कर्तव्यों से परिचित कराना। चिंतन कौशल विकसित करना। विश्लेषण,तार्किक कौशल एवं प्रभावी संप्रेषण विकसित करना। फिल्म निर्माता एवं पात्रों का चरित्र चित्रण करना।	गतिविधि–(1) छात्रों द्वारा पी पी टी निर्माण व उसका अनुभव सुनाना। गतिविधि–(2) अनुच्छेद लेखन–सफलता का हीरा मुसीबतों की खदान से ही निकलता हैं। गतिविधि–(3) कल्पना कर बताइए कि यदि आप कोई फिल्म बनाएंगे , तो उसमें किन–किन तकनीकी बातों का ध्यान रखेंगे ?	फिल्म के तकनीकी पक्ष पर खुलकर बात की। गद्य की संस्मरण विधा में रुचि उत्पन्न हुई। अपने अनुभवों को रुचिपूर्ण तरीके से सुनाना सीखा। फिल्म की कुछ तकनीकी ' शब्दावली से परिचित हुए। फ़िल्मकार सत्यजीत राय की महती प्रतिभा के बारे में पता चला। सफलता के लिए संघर्ष अत्यंत आवश्यक है–यह जाना। हर बड़े स्वप्न के पीछे सूक्ष्म बिंदुओं का हाथ है–यह सिद्ध हुआ। अच्छी फिल्म के पीछे छिपे अथक प्रयासों एवं कठिनाइयों से अवगत हुए। कलाकार के कर्तव्यों से परिचित हुए। रुचियों का परिष्कार हुए। स्वजागरुकता बढ़ी। कलाकार के कर्तव्यों से परिचित हुए। चिंतन कौशल विकसित हुआ। विश्लेषण,तार्किक कौशल एवं प्रभावी संप्रेषण विकसित हुए।	अनुच्छेद लेखन के आधार पर
	6.वे आँखें	**काव्य विधा में रुचि उत्पन्न करना।**	किसान की स्थिति से अवगत	गतिविधि–(1) परिचर्चा–किसान अपने	**काव्य विधा में रुचि उत्पन्न हुई।**	परिचर्चा /

		ग्राह्य क्षमता विकसित करना। **अनुच्छेद लेखन** **केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखना।** **प्रतीकात्मक काव्य से परिचित कराना।** **प्रभावी संप्रेषण।** **व्याकरण भाग**	कराना। उसकी बद से बदतर होती दशा का अत्यंत मार्मिक चित्रण करना। उसकी दशा के लिए ज़िम्मेदार तत्वों की विस्तार चर्चा करना। अपनी ओर से कुछ सकारात्मक सुझावों की चर्चा करना। **<u>प्रथम इकाई परीक्षा–2017.18</u>**	व्यवसाय से पलायन कर रहे हैं, क्यों ? गतिविधि–(2) वर्तमान किसान आंदोलन का औचित्य–समाचार संकलन व वाचन गतिविधि–(3) वाद–विवाद–किसानों की कर्ज़माफी सही है। गतिविधि–(4) लेखन कार्य–कविता का केंद्रीय भाव लिखिए।	**ग्राह्य क्षमता विकसित हुई।** **अनुच्छेद लेखन किया।** **केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखा।** **प्रतीकात्मक काव्य से परिचित हुए।** **प्रभावी संप्रेषण का विकास हुआ।** किसान की स्थिति से अवगत हुए। उसकी बद से बदतर होती दशा का अत्यंत मार्मिक पढ़ा। उसकी दशा के लिए ज़िम्मेदार तत्वों की विस्तार चर्चा को। अपनी ओर से कुछ सकारात्मक सुझावों की चर्चा को।	वाद–विवाद / लेखन कार्य के आधार पर
अगस्त 21	**7.विदाई संभाषण**	**गद्य की व्यंग्य विधा से परिचित कराना।** कल्पनाशीलता का विकास करना। ध्यानपूर्वक सुनने की कला को विकसित करना। ग्राह्य क्षमता का विकास करना। प्रभावी संप्रेषण। आवाज के उतार–चढ़ाव एवं हाव–भाव के साथ प्रभावपूर्ण संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। कहानी में हास्य के पुट का आनंद लेना सिखाना।	तत्कालीन समय की भारतीयों की बेबसी, दुख का वर्णन करना। अंग्रेजों के मनमाने निर्णयों पर खुलकर बात करना। राजा–प्रजा के कर्तव्यों पर प्रकाश डालना। निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना। चिंतन कौशल का विकास करना। संवेदनशीलता को बढ़ाना। हर समय केवल अपना स्वार्थ सोचना गलत है–यह समझाना। सामान्य व्यक्ति की मजबूरी को समझाना।	***<u>गतिविधि (1)</u>*** **व्यंग्य रचना सुनाना–समाचार पत्रों में '' अधबीच '' या अन्य व्यंग्य आधारित कॉलम नियमित आते हैं। उन्हें कक्षा में लाकर सुनाइए। विषय– पुलिस व्यवस्था, मेडिकल सुविधाएँ, राजनीति या सरकारी विभाग आदि।** ***<u>गतिविधि (2)</u>*** **अनुच्छेद लेखन– '' दुनिया स्वार्थ पर नहीं मनुष्यता पर टिकी है ''** ***<u>गतिविधि (3)</u>*** **समूह चर्चा–हमारी गुलामी के लिए हम स्वयं ज़िम्मेदार थे।**	**गद्य की व्यंग्य विधा से परिचित हुए॥।** कल्पनाशीलता का विकास हुआ। ध्यानपूर्वक सुनने की कला विकसित हुई। ग्राह्य क्षमता का विकास हुआ। आवाज के उतार–चढ़ाव एवं हाव–भाव के साथ प्रभावपूर्ण संवाद अदायगी का अभ्यास किया। व्यंग्य में हास्य के पुट का आनंद लेना सोखा।	**व्यंग्य रचना सुनाने / समूह चर्चा–के आधार पर**
	8.भारत माता	1.संस्मरण विधा से विद्यार्थियों को परिचित कराना 2•अपने संस्मरण, आपबीती व अनुभव	1. भारत के अपार फैलाव के बीच एकता के आधार को स्पष्ट करना।	***<u>गतिविधि (1)</u>*** देशभक्तिपूर्ण दस नारों का संकलन एवं उन्हें पूरे भावों के साथ बोलना।	1.संस्मरण विधा में विद्यार्थी की रुचि बढ़ी। 2•अपने संस्मरण, आपबीती व	परिचर्चा / कविताएँ उनका पाठ करना /

		को रोचक शैली में प्रस्तुत करना सिखाना। 3•किसी भी घटनाक्रम का वर्णनात्मक शैली में सजीव चित्रण करना सिखाना। 4•आवाज़ के उतार–चढ़ाव व हाव–भाव के साथ आँखों देखा हाल के प्रस्तुतीकरण के लिए तैयार करना।	2. पं. नेहरू के देशभक्तिपूर्ण विचारों से छात्रों को अवगत कराना। 3. ''भारत माता'' इस शब्द की विस्तार चर्चा एवं देशभक्ति की भावना का विकास करना। 4. स्वजागरुकता। 5.संवेदनशीलता का विकास। 6.देशभक्ति की भावना जगाना। 7.देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पहचानकर उन्हें पूर्ण करने की कोशिश करना।	***गतिविधि (2)*** परिचर्चा–पं. नेहरू के अखंड भारत का स्वप्न पूर्ण या अपूर्ण ? ***गतिविधि (3)*** देशप्रेम पर आधारित कविताएँ संकलित कर कक्षा में उनका पाठ करना। **गतिविधि–(4)** आँखों देखा हाल–इंदौर के किसी जुलूस, यातायात, मैच या परेड मैदान का आँखों देखा हाल सुनाना। **गतिविधि–(5) रचनात्मक लेखन (चिंतन कौशल, संवेदनशीलता)** 'देशप्रेम सर्वोच्च प्रेम' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।	अनुभव को रोचक शैली में प्रस्तुत करना सोखा। 3•किसी भी घटनाक्रम का वर्णनात्मक शैली में सजीव चित्रण करना सीखा। 4•आवाज़ के उतार–चढ़ाव व हाव–भाव के साथ आँखों देखा हाल के प्रस्तुतीकरण के लिए तैयार हुए। 5 भारत के अपार फैलाव के बीच एकता का आधार स्पष्ट हुआ। 2. पं. नेहरू के देशभक्तिपूर्ण विचारों से छात्र अवगत हुए। 3. ''भारत माता'' इस शब्द की विस्तार चर्चा एवं देशभक्ति की भावना का विकास हुआ। 4. स्वजागरुकता बढ़ी। 5.संवेदनशीलता , देशभक्ति की भावना का विकास हुआ। 6..देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पहचानकर उन्हें पूर्ण करने की कोशिश करने का भाव जागा।	**रचनात्मक लेखन के आधार पर**
	9. पथिक	1.कल्पनाशीलता का विकास करना। 2.पुनरूक्त शब्द / शब्द युग्मों का अभ्यास कराना। 3.उपमा एवं मानवीकरण अलंकारों की संकल्पना एवं उदाहरणों से परिचित कराना। 4.चित्रात्मक भाषा के आनंद की अनुभूति कराना। 5.अंतिम मिलते–जुलते शब्दों की तुकबंदी को उतार–चढ़ाव के साथ बोलना। 5.प्रकृति–सौंदर्य पर आधारित कविता का भाव स्पष्ट करना। 6.शब्दों के प्रतीकात्मक अर्थों से परिचित कराना। 7.अभी तक पढ़े हुए पर्यायवाची शब्दों का अनुप्रयोग करना सिखाना।	1.प्रकृति के विभिन्न उपादानों पर्वत, झील, फूल, वृक्ष ,नदियों आदि के सौंदर्य का वर्णन करना। 2.समुद्र क्षेत्र के सौंदर्य का वर्णन करना। 3.प्रकृति के पल–पल बदलते रूप का वर्णन करना। 4.चिंतन कौशल का विकास करना। 5.प्रकृति के रहस्यवाद का संक्षिप्त वर्णन करना। 6.दिवस एवं रात्रि के क्रमशः सौंदर्य का वर्णन 7.प्रेम तत्व अमर है–यह जानना।	➢ **कविता का सस्वर वाचन एवं भावार्थ समझाना, चर्चा** ***गतिविधि (2)*** **आपसी प्रश्नोत्तर गतिविधि** (पाठ के आदर्श वाचन के समय बीच–बीच में पूछे जाने वाले प्रश्नोत्तर **)** **(आदर्श प्रश्न –bloom's taxonomy based)** ***गतिविधि (3)*** **'' पर्वत प्रदेश में पावस ''** कक्षा दसवीं की कविता की **PPT** छात्रों को दिखाना ***गतिविधि (4)*** **प्रकृति सौंदर्य पर लिखी गई अन्य कवियों की कविताओं को ढूँढकर कक्षा में सुनाइए। (**	1.कल्पनाशीलता का विकास हुआ। 2.पुनरूक्त शब्द / शब्द युग्मों का अभ्यास किया। 3.उपमा एवं मानवीकरण अलंकारों की संकल्पना एवं उदाहरणों से परिचित हुए। 4.चित्रात्मक भाषा के आनंद की अनुभूति की। 5.अंतिम मिलते–जुलते शब्दों की तुकबंदी को उतार–चढ़ाव के साथ बोला। 5.प्रकृति–सौंदर्य पर आधारित कविता का भाव स्पष्ट हुआ। 6.शब्दों के प्रतीकात्मक अर्थों से परिचित हुए। 7.अभी तक पढ़े हुए पर्यायवाची शब्दों का अनुप्रयोग करना सोखा।	**आपसी प्रश्नोत्तर गतिविधि / आँखों देखा हाल सुनाना/ स्वरचित कविता के आधार पर**

		8.ध्यानपूर्वक सुनने की कला को विकसित करना। 7.आवाज के उतार–चढ़ाव एवं हाव–भाव के साथ प्रभावपूर्ण शैली में आँखों देखा हाल सुनाने का अभ्यास कराना।		**कौशल–सराहना, संवेदनशीलता, प्रभावी संप्रेषण)** ***गतिविधि (5)*** **स्वरचित कविता लेखन–बारिश, झरने, इंद्रधनुष, बादल, कोयल, पानी, पक्षी, सूरज, हरियाली, फूल आदि या कोई भी प्रकृति विषयक शब्द का प्रयोग करते हुए एक कविता लिखने का प्रयास कीजिए। (रचनात्मकता, अनुप्रयोग)** ***गतिविधि (6)*** **आँखों देखा हाल सुनाना– पूर्ण हाव–भाव , आरोह–अवरोह, सटीक भाषा व शब्द संपदा के साथ** **स्थितियाँ– 1. बारिश का वह खुशनुमा दिन** **2. जब मैंने गाँव में बारिश देखी** **3. उफ् ! बारिश ने किया बेहाल, शहर की सड़के हुई खस्ताहाल** **4. कभी न भूलूंगा/ भूलूंगी बाढ़ का वह भयावह दृश्य** **5. सेना ने भयंकर बाढ़ में किया राहत कार्य** **(कौशल– स्वजागरुकता, प्रभावी संप्रेषण, संवेदनशीलता)**	8.ध्यानपूर्वक सुनने की कला को विकसित हुई। 7.आवाज के उतार–चढ़ाव एवं हाव–भाव के साथ प्रभावपूर्ण शैली में आँखों देखा हाल सुनाने का अभ्यास किया। 9.प्रकृति के विभिन्न उपादानों पर्वत, झील, फूल, वृक्ष ,नदियों, समुद्र क्षेत्र आदि के सौंदर्य का वर्णन किया। 10.प्रकृति के पल–पल बदलते रूप का वर्णन किया। 11.चिंतन कौशल का विकास हुआ। 12.प्रकृति के रहस्यवाद का संक्षिप्त वर्णन किया। 13.दिवस एवं रात्रि के क्रमशः सौंदर्य का वर्णन किया। 14.प्रेम तत्व अमर है–यह जाना।	
	10.घर की याद	**1.सहज–सरल गद्य के समान छंदबद्ध रचना को पढ़ना** **2.बड़ी कविता के महत्त्वपूर्ण शृंखलाबद्ध अंशों को रुचि से पढ़ना** **3.अपने भावों की सहज अभिव्यक्ति का प्रयास करना।**	1.देशप्रेम को सर्वोच्च मानना। 2.अपने अंदर परिवार की गहरी जड़ों को महसूस करना। 3.घर की अवधारणा की सार्थक एवं मार्मिक अभिव्यक्ति करना 4.माता–पिता की सूक्ष्म विशेषताओं से अच्छी तरह वाकिफ होना	➢ **कविता का सस्वर वाचन एवं भावार्थ समझाना, चर्चा** ***गतिविधि (2)*** **आपसी प्रश्नोत्तर गतिविधि (** पाठ के आदर्श वाचन के समय बीच–बीच में पूछे जाने वाले प्रश्नोत्तर **)** **(आदर्श प्रश्न –bloom's**	**1.सहज–सरल गद्य के समान छंदबद्ध रचना को रुचि से पढ़ा** **2.बड़ी कविता के महत्त्वपूर्ण शृंखलाबद्ध अंशों को रुचि से पढा** **3.अपने भावों की सहज अभिव्यक्ति का प्रयास किया।** 4.अपने अंदर परिवार की गहरी जड़ों	कविता को संवाद रूप में लिखना / एक चिट्ठी / लेख लिखिए–के आधार पर

सितंबर 21	**11.गलता लोहा**	1.अर्थ बोध एवं ग्राह्य क्षमता बढ़ाना। 2.अपनी बात को स्पष्ट, सटीक एवं तर्कपूर्वक कहना। 3. सही विराम चिह्न, शुद्ध उच्चारण का प्रयोग करते हुए पढ़ना सिखाना। 4–कठिन शब्दों के अर्थ को समझना। 5–प्रतीकात्मक रुप में कही गई पंक्तियों का अर्थ ग्रहण करना। 6–अपने विचार प्रकट करना सिखाना। 7– शब्द भण्डार में वृद्धि कराना। 8–एकाग्रता से सुनना। 9. कहानी–किस्से विधा में बच्चों की रुचि बढ़ाना। 10.कल्पनाशीलता का विकास करना।	1.तत्कालीन समाज में फैले जातिगत भेदभावों के बारे में विस्तार से बताना। 2.प्राचीन शिक्षा पद्धति पर चर्चा करना। 3.शिक्षा व रोजगार से संबंधित असमंजस को सजीव रूप से स्पष्ट करना।	**taxonomy based) देशप्रेम पर आधारित** *गतिविधि (3)* कविता को संवाद रूप में लिखना गतिविधि (4) एक चिट्ठी माता–पिता के नाम लिखिए जिसमें अपने मन के सभी भाव अच्छी तरह प्रकट हो। (माध्यम–गद्य/पद्य) गतिविधि (5) लेख लिखिए–घर एक श्रेष्ठ संस्था *गतिविधि (1)* पूर्ण कहानी को उचित आरोह–अवरोह व हाव–भाव के साथ पढ़ना। *गतिविधि (2)* परिचर्चा–वर्ण व्यवस्था के आधार पर कार्य विभाजन उचित है। *गतिविधि (3)* कल्पनाशीलता के आधार पर कहानी का दूसरा अंत कीजिए। *गतिविधि (4)* आओ मोहन बनकर उसकी व्यथा को बयान करें एवं उसका हल ढूंढे।	को महसूस किया। 5.घर की अवधारणा की सार्थक एवं मार्मिक अभिव्यक्ति हुई। 6.माता–पिता की सूक्ष्म विशेषताओं से अच्छी तरह वाकिफ हए। 1.अर्थ बोध एवं ग्राह्य क्षमता बढ़ी। 2.अपनी बात को स्पष्ट, सटीक एवं तर्कपूर्वक कहना सीखा। 3. सही विराम चिह्न, शुद्ध उच्चारण का प्रयोग करते हुए पढ़ना सोखा। 4–कठिन शब्दों के अर्थ को समझा। 5–प्रतीकात्मक रुप में कही गई पंक्तियों का अर्थ ग्रहण किया। 6–अपने विचार प्रकट करना सोखा। 7– शब्द भण्डार में वृद्धि हुई। 8–एकाग्रता से सुनना सीखा। 9. कहानी–किस्स विधा में बच्चों की रुचि बढ़ी। 10.कल्पनाशीलता का विकास हुआ। 11.तत्कालीन समाज में फैले जातिगत भेदभावों के बारे में विस्तार से जाना। 2.प्राचीन शिक्षा पद्धति पर चर्चा की। 3.शिक्षा व रोजगार से संबंधित असमंजस को सजीव रूप से स्पष्ट किया व उसके समाधान पर बात की।	
	12.चंपा काले–काले अच्छर नहीं चीन्हती	**1.सहज–सरल गद्य के समान छंदबद्ध रचना को पढ़ना** **2.बड़ी कविता के महत्त्वपूर्ण शृंखलाबद्ध अंशों को रुचि से पढ़ना**	**1.छोटे बच्चों के मनोभावों को सुबोध रूप से स्पष्ट करना।** **2 गांधीजी द्वारा चलाए गए साक्षरता अभियान की बात**	***गतिविधि (1)* कविता का सस्वर वाचन एवं भावार्थ समझाना, चर्चा** ***गतिविधि (2)* आपसी प्रश्नोत्तर**	**1.सहज–सरल गद्य के समान छंदबद्ध रचना को पढ़ा** **2.बड़ी कविता के महत्त्वपूर्ण शृंखलाबद्ध अंशों को रुचि से**	**आपसी प्रश्नोत्तर गतिविधि /** नारे, स्लोगन

		3.अपने भावों की सहज अभिव्यक्ति का प्रयास करना।	**करना।**	**गतिविधि (** पाठ के आदर्श वाचन के समय बीच–बीच में पूछे जाने वाले प्रश्नोत्तर **)** **(आदर्श प्रश्न –bloom's taxonomy based) बाल मनोभावों पर आधारित** *गतिविधि (3)* साक्षरता अभियान पर कुछ नारे, स्लोगन बनवाना। *गतिविधि (4)* ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा से संबंधित कौनसी भ्रांतियाँ फैली हुई हैं ? विस्तार से चर्चा कीजिए।	**पढ़ा** **3.अपने भावों की सहज अभिव्यक्ति का प्रयास किया।** **4.छोटे बच्चों के मनोभावों को सुबोध रूप से स्पष्ट करने का प्रयास किया।** **5 साक्षरता अभियान में अपनी भूमिका पर बात की।**	/ विस्तार से चर्चा **के आधार पर।**
	13. गज़ल	**1.हिन्दी साहित्य में गज़ल विधा का अध्ययन करना** **2. शेर (शायरी) छंद को समझना तथा उसके प्रतीकात्मक अर्थ को ग्रहण करना।** **3.अपनी बात को संक्षेप में कहने की कला का विकास करना।** **4.प्रसिद्ध शायर दुष्यंत कुमार की गजल से छात्रों को परिचित कराना।** **व्याकरण भाग**	**1.हर शेर के माध्यम से एक व्यंग्य तथा कोई शिक्षा ग्रहण करना।** **2. कुछ और अच्छे शेरों का संकलन व वाचन करना।** **अर्द्धवार्षिक परीक्षा–2017–18**	***गतिविधि (1)* गजल का वाचन एवं भाव समझाना, चर्चा** *गतिविधि (2)* वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कुछ ' शेरों के औचित्य पर चर्चा जैसे– 1.न हो कमीज़ तो पाँवों से पेट ढक लेंगे, ये लोग कितने मुनासिब है इस सफर के लिए। 2.यहाँ दरख्तों के साये में धूप लगती है, चलो यहाँ से चले और उम्र भर के लिए। 3.अन्य सार्थक व सटीक शेरों का संकलन व वाचन करना।	**1.हिन्दी साहित्य में गज़ल विधा का अध्ययन किया।** **2. शेर (शायरी) छंद को समझा तथा उसके प्रतीकात्मक अर्थ को ग्रहण किया।** **3.अपनी बात को संक्षेप में कहने की कला का विकास हुआ।** **4.प्रसिद्ध शायर दुष्यंत कुमार की गजल से छात्रों को परिचित हुए।** **1.हर शेर के माध्यम से एक व्यंग्य तथा कोई शिक्षा ग्रहण की।** **2. कुछ और अच्छे शेरों का संकलन व वाचन किया।**	समूह चर्चा के आधार पर

अक्तूबर 07	**14.आओ मिलकर बचाएँ**	**1.मुक्तक छंद की कविता को पढ़ना।** **2. सहज–सरल गद्य के समान छंदबद्ध रचना को पढ़ना** **3. अपने भावों की सहज अभिव्यक्ति का प्रयास करना।** **4.**अर्थ बोध एवं ग्राह्य क्षमता बढ़ाना। 5.प्रतीकात्मक रुप में कही गई पंक्तियों का अर्थ ग्रहण करना। **व्याकरण भाग**	**1.भारत देश की लोक–संस्कृति की विशेषताओं को बचाने का प्रयास (आह्वान)करना।** **2.गाँवों की आबोहवा व भोलेपन को सहेजने का प्रयास करना।** **3.आशावादिता का अनवरत संचार करना।**	***गतिविधि (1)*** **.समाचार पत्रों से ऐसी खबरों का संकलन कीजिये, जिसमें देश की लोक–संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कुछ सार्थक पहल या कार्यक्रमों का आयोजन किया गया हो।** ***गतिविधि (2)*** स्वअनुभव सुनाइए जिसमें आपने आदिवासी समाज या उनसे संबंधित कोई बात सुनी हो। ***गतिविधि (3)*** आप अपने शहर या बस्ती की किन चीजों को बचाना चाहेंगे ? ***गतिविधि (4)*** टिप्पणी कीजिए–आदिवासी समाज की वर्तमान स्थिति ***गतिविधि (5)*** कक्षा आठवीं की कविता ***यह सबसे कठिन समय नहीं*** सुनाना।	**1.मुक्तक छंद की कविता को पढ़ा।** **2. सहज–सरल गद्य के समान छंदबद्ध रचना को पढ़ा** **3. अपने भावों की सहज अभिव्यक्ति का प्रयास किया।** **4.**अर्थ बोध एवं ग्राह्य क्षमता बढ़ी। 5.प्रतीकात्मक रुप में कही गई पंक्तियों का अर्थ ग्रहण किया। **6.भारत देश की लोक–संस्कृति की विशेषताओं को बचाने के प्रति जागरुक हुए।** **7.आशावादिता का संचार हुआ।**	**खबरों का संकलन /** स्वअनुभव सुनाइए